हिंदी-विभाग

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र

(प्रदेश विधायिका एक्ट 12ए 1956 के तहत स्थापित)

('ए+ श्रेणी' राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा प्रदत्त)

बी ए (प्रोग्राम) हिंदी (अनिवार्य) पाठ्यक्रम
सी. बी. सी. एस. (चयन-आधारित क्रेडिट पद्धति),
सत्र 2020-21 से चरणबद्ध तरीके से लागू

कोर्स कोड	कोर्स का नाम	क्रेडिट	शिक्षण घंटे / प्रति सप्ताह	परीक्षा की स्कीम (अंक)			
				परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	कुल अंक	समय
सेमेस्टर- I							
B-HIN(C)-101	हिंदी भाषा और आधुनिक हिंदी कविता	06	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे
सेमेस्टर- II							
B-HIN(C)-201	प्रयोजनमूलक हिंदी और हिंदी गद्य-I	06	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे
सेमेस्टर- III							
B-HIN(C)-301	हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक) और मध्यकालीन हिंदी कविता	06	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे
सेमेस्टर- IV							
B-HIN(C)-401	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) और हिंदी गद्य-II	06	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे
सेमेस्टर- V							
B-HIN(C)-GE-501	सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र	06	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे
सेमेस्टर- VI							
B-HIN(C)-GE-601	आधुनिक भारतीय कविता	06	5+1(Tutorial)	120	30	150	3 घंटे

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

1. व्यवहारिक व व्यावसायिक जीवन में भाषा का विशेषकर हिंदी भाषा का सही प्रयोग कर सकेगा।
2. हिंदी भाषा के विकास के माध्यम से भाषा के सैद्धांतिक पहलुओं तथा उसके परिवर्तन की दिशाओं का बोध होगा।
3. हिंदी साहित्य की विभिन्न धाराओं व परंपराओं की समझ विकसित होगी। विभिन्न युगों, धाराओं व रचनाकारों के साहित्य की विशिष्टताओं की समझ बढ़ेगी।
4. समकालीन साहित्य के विविध गद्य व पद्य रूपों के माध्यम से अपने युग का बोध होगा।
5. साहित्य की विभिन्न विधाओं में रचनात्मक लेखन व संप्रेषण की क्षमता विकसित होगी।
6. साहित्य संसार व वास्तविक संसार के यथार्थ के प्रति आलोचनात्मक समझ विकसित होगी और संवेदनशील व्यक्तित्व का विकास होगा।
7. साहित्य के सौंदर्य, कला तथा वैचारिक मूल्यों के प्रति विवेक का निर्माण होगा।
8. उद्यमशीलता की अंतर्दृष्टि व भविष्यदृष्टि का विकास होगा।
9. संदर्भ आधारित ग्रहण क्षमता के माध्यम से काल-परिस्थिति सापेक्ष ठोस विश्लेषणात्मक प्रवृत्ति का विकास होगा।

सेमेस्टर -I

B-HIN(C)-101- हिंदी भाषा और आधुनिक हिंदी कविता

क्रेडिट - 6 **कुल अंक- 150**

समय- 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिंदी भाषा व गद्य की विविध विधाओं से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- हिंदी भाषा की संरचना व स्वरूप का ज्ञान।
- हिंदी भाषा के विविध रुपों व प्रयोगों का ज्ञान।
- आधुनिक काल के कवियों की काव्य क्षमता का बोध।
- नवजागरण व राष्ट्र के निर्माण की प्रक्रिया का ज्ञान।
- आधुनिक हिंदी कविता के प्रमुख हस्ताक्षरों की कविता का आलोचनात्मक बोध।

परीक्षा संबधी निर्देश -

(क) **व्याख्या -**पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से दो पाठांश दिए जायेंगे। विद्यार्थी को किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

(ख) **पाठ बोध -** पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से एक पाठांश तथा तत्संबंधी 5 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को पाठांश के आधार पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

(ग) **पाठ आधारित प्रश्न -** पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं की विषयवस्तु, मूल संवेदना, रचना-सौष्ठव व प्रासंगिकता संबंधी 5 समीक्षात्मक प्रश्न दिये जायेंगें। विद्यार्थी को किंही 3 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 12 अंक निर्धारित हैं।

(घ) **भाषा संबंधी प्रश्न -** पाठ्यक्रम में निर्धारित **हिंदी भाषाः विकास और विविध प्रयोग** से 6 प्रश्न दिये जायेंगें। विद्यार्थी को किंही 3 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

(ङ) **लघूत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 7 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से 4 के उत्तर (लगभग 120 शब्दों में) देने होंगे। प्रत्येक के लिए 6 अंक निर्धारित हैं।

(च) **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

विशेष - आंतरिक मूल्यांकन के निर्देश - नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु विद्यार्थी को व्यावहारिक विषय दिए जाएं जिससे वह अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ को प्रस्तुत कर सके।

पाठ्य विषय

(क) हिंदी भाषाःविकास और विविध प्रयोग

- भाषा का स्वरूप और विशेषताएं, भाषा और मानव समाज का सांस्कृतिक विकास, भाषा के रूप में हिंदी का विकास, साहित्य और संचार की भाषा के रूप में हिंदी का विस्तार, हिंदी की बोलियां-उपबोलियां, देवनागरी लिपि का मानकीकरण।
- हिंदी भाषा के विविध अनुप्रयोग (राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा), हिंदी की संविधानिक स्थिति। शिक्षा-माध्यम के रूप में हिंदी, हिंदी अध्ययन-अध्यापन (विज्ञान, वाणिज्य व मानविकी के क्षेत्र में)
- सृजनात्मक भाषा (अनुभूति की प्रधानता, अर्थ की विशिष्टता एवं विविधता, भाषा शैली की विविधता, सर्जनात्मक प्रयोग) सृजनात्मक भाषा के विविध पक्ष (शब्द शक्तियां, अंलकरण, सादृश्य विधान, मानवीकरण, मुहावरे, लोकोक्तियां)
- सृजनात्मक लेखन का स्वरूप और महत्व, सृजनात्मक लेखन के उद्देश्य, सृजनात्मक लेखन के प्रकार (साहित्यिक और व्यावसायिक), सृजनात्मक लेखन के लिए भाषा की विशेषताएं, सृजनात्मक लेखन की प्रक्रिया (कविता, कहानी, नाटक, फिल्म, रिपोर्ताज)।

(ख) आधुनिक हिंदी कविता

- मैथिलीशरण गुप्त - दोनों ओर प्रेम पलता है, सखि, वे मुझसे कहकर जाते।
- जयशंकर प्रसाद -कामायनी (चिंता सर्ग), अशोक की चिंता।
- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला - वह तोड़ती पत्थर, बादल राग।
- रामधारी सिंह दिनकर - चांद और कवि, यह मनुज
- सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' - कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला
- गजानन माधव मुक्तिबोध - जन जन का चेहरा एक, भूल गलती
- नागार्जुन - कालिदास, उनको प्रणाम
- भवानी प्रसाद मिश्र - कहीं नहीं बचे, गीत फरोश
- कुँवर नारायण - नचिकेता, कविता
- सर्वेश्वरदयाल सक्सेना - पोस्टर और आदमी, छीनने आए हैं वे।

सहायक पुस्तकें

- अच्छी हिंदी - रामचंद्र वर्मा
- हिंदी भाषी - डा. हरदेव बाहरी
- हिंदी व्याकरण - कामता प्रसाद गुरुवार
- हिंदी भाषा का इतिहास- धीरेंद्र वर्मा
- हिंदी भाषाः स्वरूप और विकास- कैलाशचंद्र भाटिया
- हिन्दी भाषा संरचना के विविध आयाम- रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
- व्यावहारिक राजभाषा कोश - दिनेश चमोला
- रचनात्मक लेखन - रमेश गौतम

सेमेस्टर - II

B-HIN(C)-201-प्रयोजनमूलक हिंदी और हिंदी गद्य-1

क्रेडिट - 6 **कुल अंक- 150**

समय- 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

प्रयोजनमूलक हिंदी भाषा व हिंदी गद्य का परिचय।

पाठ्यक्रम के संभावित परिणाम

- हिंदी भाषा में कार्यालयी कार्य करने का ज्ञान होगा। संविधान में भाषा संबंधी प्रावधानों को जान सकेंगे।
- शासन-प्रशासन के कार्यों को हिंदी भाषा में करने की दक्षता।बैंक, विधि, वाणिज्य संबंधी कार्यों में दक्षता।
- हिंदी गद्य की विधाओं की विशिष्टता की समझ।
- हिंदी गद्यकारों की रचनाओं के माध्यम से समाज के यथार्थ की आलोचनात्मक समझ।

परीक्षा संबधी निर्देश - परीक्षा संबंधी निर्देश स्पष्ट हों।

(क) **व्याख्या -**पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से दो पाठांश दिए जायेंगे। विद्यार्थी को किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

(ख) **पाठ बोध -**पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से एक पाठांश तथा तत्संबंधी 5 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को उस पाठांश के आधार पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

(ग) **पाठ आधारित प्रश्न -**पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं की विषयवस्तु, मूल संवेदना, रचना-सौष्ठव व प्रासंगिकता संबंधी 5 समीक्षात्मक प्रश्न दिये जायेंगें। विद्यार्थी को किंही 3 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 12 अंक निर्धारित हैं।

(घ) **भाषा संबंधी प्रश्न -** पाठ्यक्रम में निर्धारित **प्रयोजनमूलक हिंदी** से 6 प्रश्न दिये जायेंगें। विद्यार्थी को किंही 3 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

(ड़) **लघूत्तरी प्रश्न-**निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 7 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से 4 के उत्तर (लगभग 120 शब्दों में) देने होंगे। प्रत्येक के लिए 6 अंक निर्धारित हैं।

(छ) **वस्तुनिष्ठ प्रश्न-** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

विशेष - आंतरिक मूल्याकंन के निर्देश - नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु विद्यार्थी को व्यावहारिक विषय दिए जाएं जिससे वह अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ को प्रस्तुत कर सके।

पाठ्य विषय

(क) प्रयोजनमूलक हिंदी

- प्रयोजनमूलक हिंदी की अवधारणा, अनुवाद की अवधारणा और क्षेत्र, अनुवाद प्रक्रिया के चरण, पारिभाषिक शब्दावली की निर्माण प्रक्रिया।
- प्रशासनिक भाषा का स्वरूप और महत्व, सरकारी पत्रों के प्रमुख अंग, कार्यालयी पत्र लेखन के विभिन्न प्रकार, प्रारूपण, टिप्पण।
- नई प्रौद्योगिकी में हिन्दी की चुनौतियां व संभावनाएं, बाजारऔर व्यावसायिक क्षेत्र की हिंदी (बैंक, बीमा, मीडिया), इंटरनेट की हिंदी (यूटयूब, ट्विटर, ब्लॉग, फेसबुक)।
- संप्रेषण की अवधारणा और महत्व, संप्रेषण के प्रकार(मौखिक और लिखित), संप्रेषण में बाधाएं और चुनौतियां, संप्रेषण के विविध रूप (साक्षात्कार, भाषण, संवाद, सामूहिक चर्चा)।
- जनसंचार माध्यमों की भाषा की विशेषताएं (पत्रकारिता, रेडियो, टेलीविज़न, मल्टी मीडिया इंटरनेट), विज्ञापन की भाषा का स्वरूप और विशेषताएं (प्रिंट, इलेक्ट्रोनिक और ई-विज्ञापन)

(ख) हिंदी गद्य - ।

- **कहानी -** पूस की रात (प्रेमचंद), परदा (यशपाल), वापसी (उषा प्रियंवदा)
- **निबंध -** मजदूरी और प्रेम (सरदार पूर्ण सिंह), नाखून क्यों बढ़ते हैं (हजारी प्रसाद द्विवेदी)
- **व्यंग्य -** आशा का अंत - बालमुकुंद गुप्त
- **आत्मकथा -** निज जीवन छटा (अंतिम समय की बातें) - पं. रामप्रसाद बिस्मिल

सहायक पुस्तकें

- प्रयोजनमूलक हिन्दीः सिद्धांत और प्रयुक्ति- डॉ. जितेन्द्र कुमार सिंह
- प्रयोजनमूलक हिन्दी- विनोद गोदारे
- प्रयोजनमूलक हिन्दी- दंगल झाल्टे
- प्रयोजनमूलक हिन्दी- डॉ. माधव सोन टक्के
- प्रयोजनमूलक हिंदी - रघुनंदन प्रसाद शर्मा
- संचार भाषा हिंदी - सूर्यप्रसाद दीक्षित
- जनसंचार माध्यम -भाषा और साहित्य - सुधीश पचौरी
- हिन्दी नाटकः उद्भव और विकास- डॉ दशरथ ओझा
- हिन्दी नाटक का आत्मसंघर्ष- गिरीश रस्तोगी
- हिन्दी एकांकी- सिद्धनाथ कुमार
- हिंदी कहानीः पहचान और परख - डा. इंद्रनाथ मदान
- कहानीः नई कहानी - नामवर सिंह

सेमेस्टर - III

B-HIN(C)-301-हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक) और मध्यकालीन हिंदी कविता

क्रेडिट - 6 **कुल अंक- 150**

समय- 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिंदी साहित्य के इतिहास से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- हिंदी साहित्य की विभिन्न धाराओं व साहित्यिक परपंराओं से परिचय।
- भक्तिकालीन विभिन्न धाराओं की वैचारिक पृष्ठभूमि की समझ।
- हिंदी साहित्य के बदलाव के बिंदुओं की पहचान।
- आदिकाल, भक्तिकाल व रीतिकाल की विभिन्न धाराओं व उनके प्रमुख साहित्यकारों की रचना क्षमता व अभिव्यक्ति की विशिष्टताओं की पहचान।

परीक्षा संबधी निर्देश -

(क) **व्याख्या -** पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से दो पाठांश दिए जायेंगे। विद्यार्थी को किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

(ख) **पाठ बोध -** पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से एक पाठांश तथा तत्संबंधी 5 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को पाठांश के आधार पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

(ग) **पाठ आधारित प्रश्न -**पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं की विषयवस्तु, मूल संवेदना, रचना-सौष्ठव व प्रासंगिकता संबंधी 5 समीक्षात्मक प्रश्न दिये जायेंगें। विद्यार्थी को किंही 3 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 12 अंक निर्धारित हैं।

(घ) **हिंदी साहित्य के इतिहास संबंधी प्रश्न -** पाठ्यक्रम में निर्धारित **हिंदी साहित्य इतिहास (रीतिकाल तक)** से 6 प्रश्न दिये जायेंगें। विद्यार्थी को किंही 3 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

(ङ) **लघूत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 7 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से 4 के उत्तर (लगभग 120 शब्दों में) देने होंगे। प्रत्येक के लिए 6 अंक निर्धारित हैं।

(च) **वस्तुनिष्ठ प्रश्न-** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

विशेष - आंतरिक मूल्यांकन के निर्देश - नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु विद्यार्थी को व्यावहारिक विषय दिए जाएं जिससे वह अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ को प्रस्तुत कर सके।

पाठ्य विषय

(क) हिंदी साहित्य इतिहास (रीतिकाल तक)

- इतिहास लेखन और साहित्येतिहास लेखन, हिंदी साहित्य इतिहास लेखन की परंपरा, हिंदी साहित्य का काल विभाजन एवं नामकरण,
- आदिकाल की विशेषताएं, आदिकालीन काव्यधाराएं और काव्यगत विशेषताएं (सिद्ध, नाथ, जैन, रासो, लौकिक)।
- भक्ति आन्दोलन: सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, संत काव्यधारा, सूफी काव्यधारा, कृष्ण काव्यधारा, राम कव्यधारा।
- रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, रीतिकालीन काव्यधाराएं व उनकी काव्यगत विशेषताएं (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध तथा रीतिमुक्त)।

(ख) मध्यकालीन हिंदी कविता

(कबीरदास, रैदास, जायसी, सूरदास, तुलसीदास, रहीम, मीराबाई, बिहारी, घनानंद, गरीबदास का निर्धारित काव्य)

सहायक पुस्तकें

- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
- हिंदी साहित्य का इतिहास - (सं.) डा. नगेंद्र
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह
- हिंदी साहित्य का इतिहास - लालचंद गुप्त मंगल
- हिंदी साहित्यः इतिहास के आइने में - डा. सुभाष चंद्र

सेमेस्टर -IV

B-HIN(C)-401-हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) और हिंदी गद्य -II

क्रेडिट - 6 **कुल अंक- 150**

समय- 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिंदी भाषा व गद्य की विविध विधाओं से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- आधुनिक हिंदी साहित्य के इतिहास से परिचय।
- आधुनिक हिंदी साहित्य के विभिन्न आंदोलनों की जानकारी।
- हिंदी गद्य की विधाओं की विशिष्टता की समझ।
- हिंदी गद्यकारों की रचनाओं के माध्यम से समाज के यथार्थ की आलोचनात्मक समझ।

परीक्षा संबधी निर्देश -

(क) **व्याख्या** -पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से दो पाठांश दिए जायेंगे। विद्यार्थी को किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

(ख) **पाठ बोध** -पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से एक पाठांश तथा तत्संबंधी 5 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को पाठांश के आधार पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

(ग) **पाठ आधारित प्रश्न** -पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं की विषयवस्तु, मूल संवेदना, रचना-सौष्ठव व प्रासंगिकता संबंधी 5 समीक्षात्मक प्रश्न दिये जायेंगें। विद्यार्थी को किंही 3 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 12 अंक निर्धारित हैं।

(घ) **हिंदी साहित्य के इतिहास संबंधी प्रश्न** - पाठ्यक्रम में निर्धारित **हिंदी साहित्य इतिहास (आधुनिक काल)** से 6 प्रश्न दिये जायेंगें। विद्यार्थी को किंही 3 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

(ङ) **लघूत्तरी प्रश्न**-निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 7 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से 4 के उत्तर (लगभग 120 शब्दों में) देने होंगे। प्रत्येक के लिए 6 अंक निर्धारित हैं।

(च) **वस्तुनिष्ठ प्रश्न-** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

विशेष - आंतरिक मूल्यांकन के निर्देश - नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु विद्यार्थी को व्यावहारिक विषय दिए जाएं जिससे वह अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ को प्रस्तुत कर सके।

पाठ्य विषय

(क) हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

- 1857 का स्वतंत्रता संघर्ष और हिन्दी नवजागरण, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन और हिंदी साहित्य, भारतेन्दुयुगीन साहित्य की विशेषताएँ, महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, छायावादः प्रवृतियां और प्रमुख कवि, प्रगतिवादः प्रवृतियां और प्रमुख कवि, प्रयोगवादः प्रवृतियां और प्रमुख कवि, नई कविताः प्रवृतियां और प्रमुख कवि, समकालीन कविताः प्रवृतियां और प्रमुख कवि।

- हिंदी नाटकः उद्भव और विकास, हिंदी निबंधः उद्भव और विकास, हिंदी उपन्यासः उद्भव और विकास, हिंदी कहानीः उद्भव और विकास, हिंदी पत्रकारिताः उद्भव और विकास, हिंदी संस्मरणः उद्भव और विकास, हिंदी रेखाचित्रः उद्भव और विकास, हिंदी जीवनीः उद्भव और विकास, हिंदी आत्मकथाः उद्भव और विकास।

- दलित विमर्शः वैचारिकी और साहित्यिक विकास, स्त्री विमर्शः वैचारिकी और साहित्यिक विकास आदिवासी विमर्शः वैचारिकी और साहित्यिक विकास।

(ख) हिंदी गद्य -II

- **संस्मरण -** संस्मृतियां (सरदार भगतसिंह संस्मरण भगतसिंह की चुहलबाजी तक) - शिव वर्मा
- **रेखाचित्र** - पुरुष और परमेश्वर - रामवृक्ष बेनीपुरी
- **संभाषण -** साहित्य, संस्कृति और शासन **-** महादेवी वर्मा
- **यात्रा -** मैंने जापान में क्या देखा - भदंत आनंद कौशल्यायन
- **पत्र -** प्रेमचंद के दो पत्र (इंद्रनाथ मदान को)
- **जीवन चरित - आवारा मसीहा का अंश**
- **साक्षात्कार - अनुपम मिश्र**

सहायक पुस्तकें

- आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां - नामवर सिंह
- आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास- डॉ. नन्दकिशोर नवल
- आधुनिक साहित्य - नंददुलारे वाजपेयी
- छायावाद- नामवर सिंह
- आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां - नामवर सिंह
- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
- हिंदी साहित्य का इतिहास - (सं.) डा. नगेंद्र
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह
- हिंदी साहित्य का इतिहास - लालचंद गुप्त मंगल
- हिंदी साहित्यः इतिहास के आइने में - डा. सुभाष चंद्र

सेमेस्टर -V

B-HIN(C)-GE-501-सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

क्रेडिट - 6 **कुल अंक- 150**

समय- 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

सर्जनात्मक लेखन के विविध आयामों से परिचय

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- सर्जनात्मक लेखन की विविध विधाओं के सैद्धांतिक व व्यावहारिक पक्षों का ज्ञान।
- प्रिंट माध्यमों के लिए रचनात्मक लेखन क्षमता का विकास।
- दृश्य-श्रव्य माध्यमों के लिए लेखन की क्षमता का विकास।
- इंटरनेट व सामाजिक माध्यमों के लेखन के प्रति आलोचनात्मक दृष्टि का विकास

परीक्षा संबधी निर्देश - पाठ्यक्रम चार इकाइयों में विभक्त है। प्रश्न पत्र तीन खंडों में विभक्त होगा।

- **समीक्षात्मक प्रश्न -** निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न पूछा जाएगा। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 15 अंक निर्धारित हैं।
- **लघुत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से दस लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से छः के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 12 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

इकाई 1 सृजनात्मकताः अवधारणा और सिद्धांत

- सृजनात्मकता की अवधारणा,
- भाषाः आंचलिकता,
- सृजन-सौष्ठवः प्रतीक, बिम्ब, अलंकार, वक्रता

इकाई 2 विविध विधाओं का लेखनः विषयवस्तु चयन और प्रस्तुतिकरण

- कविताः संवेदना, भाषा, छंद, लय

- कथा साहित्यः विषयवस्तु, परिवेश, पात्र, भाषा
- नाटकः विषयवस्तु, परिवेश, पात्र, भाषा
- निबंधः विषयवस्तु, भाषा,
- व्यंग्यः विषयवस्तु, भाषा
- बच्चों के लिए सृजनात्मक लेखन

इकाई 3 प्रिंट माध्यम के लिए लेखनः

- रिपोर्ताज़: अर्थ, विषय-चयन, सामग्री-निर्धारण, लेखन-प्रविधि।
- फीचर लेखन: विषय-चयन, सामग्री-निर्धारण, लेखन-प्रविधि।
- साक्षात्कार (इण्टरव्यू/भेंटवार्ता): उद्देश्य, प्रकार, साक्षात्कार-प्रविधि, महत्व।
- फिल्म समीक्षा और पुस्तक समीक्षा।

इकाई 4 - इलेक्ट्रोनिक माध्यम के लिए लेखनः

- पटकथा लेखनः विषय-चयन, सामग्री-निर्धारण, लेखन-प्रविधि।
- संवाद लेखनः विषय-चयन, सामग्री-निर्धारण, लेखन-प्रविधि।
- विज्ञापन लेखनः विषय-चयन, सामग्री-निर्धारण, लेखन-प्रविधि।
- रिपोर्ट लेखनः विषय-चयन, सामग्री-निर्धारण, लेखन-प्रविधि।
- दृश्य-सामग्री (छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि) से संबन्धित लेखन।

सहायक सामग्री

- कथा-पटकथा - मन्नू भंडारी
- पटकथा लेखन - मनोहर श्याम जोसी
- रचनात्मक लेखन - सं. रमेश गौतम
- साहित्य सहचर - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
- साहित्यालोचन - श्यामसुंदर
- कविता की रचना प्रक्रिया - कुमार विमल
- सर्जक का मन - नंदकिशोर आचार्य

सेमेस्टर -VI

B-HIN(C)-GE-601-आधुनिक भारतीय कविता

क्रेडिट - 6 **कुल अंक- 150**

समय- 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 120, आंतरिक मूल्यांकन - 30**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

भारतीय भाषाओं की कविता व कवियों से परिचय

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- **भारतीयता की अवधारणा, भारतीय जीवन-मूल्यों व लेखन परम्परा से परिचय।**
- भारतीय भाषाओं के प्रमुख कवियों की कविताओं की समझ।
- भारतीय संस्कृति के लगाव, राष्ट्रीय एकता व अंखडता की भावना का विकास।
- साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन की दृष्टि का विकास

परीक्षा संबधी निर्देश - प्रश्न पत्र चार खंडों में विभक्त होगा।

- **व्याख्या -** निर्धारित पाठ में से तीन पाठांश दिए जायेंगे विद्यार्थी को किंही दो एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **पाठ बोध -** निर्धारित पाठों में से एक पाठांश तथा तत्संबंधी 5 प्रश्न दिये जायेंगे पाठ के आधारा पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- **समीक्षात्मक प्रश्न -** भारतीयता कविता का स्वरूप, कविता में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन और भारतीय कविता, भारतीय कविता की प्रवृतियां तथा पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों का परिचय, उनकी कविताओं की विषयवस्तु, मूल संवेदना व काव्य सौंदर्य संबंधी 6 समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। विद्यार्थी को किंही तीन का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 16 अंक निर्धारित हैं।
- **लघुत्तरी प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से सात लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थी को इनमें से चार के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक के लिए 8 अंक निर्धारित हैं।
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न -** निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।

निर्धारित कवि (निम्नलिखित कवियों की तीन तीन कविताएं)

हिंदी - सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
मुक्तिबोध

उर्दू - ग़ालिब
हाली

पंजाबी - लालसिंह दिल
सुरजीत पातर

बांग्ला - रवीन्द्रनाथ ठाकुर

काज़ी नज़रुल इस्लाम

सहायक पुस्तकें

- भारतीय साहित्य : स्थापनाएं और प्रस्तावनाएं - के. सच्चिदानंद
- भारतीय साहित्य की भूमिका - डॉ. रामविलास शर्मा
- भारतीय साहित्य - डॉ. राम छबीला त्रिपाठी
- भारतीय साहित्य - डॉ. नगेन्द्र
- भारतीय साहित्य - डॉ. मूलचन्द गौतम
- भारतीय साहित्य - भोलाशंकर व्यास
- परंपरा का मूल्यांकन - रामविलास शर्मा
- संस्कृति के चार अध्याय - रामधारी सिंह दिनकर